Roll No. .....

# B. A.-10 (Bachelor of Arts) Hindi

# Second Year Examination-2015

# HD-03

## नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

**समय : 3 घण्टे** **पूर्णांक : 60**

**नोट : यह प्रश्न-पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।**

### खण्ड-क

### (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

**नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2×7.5=15)**

(अ) "उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उनकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्त्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुन्दर दिखाई पड़ता है, अकर्त्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, देश रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग देखी जाती है, उसके सौन्दर्य को परपीड़न, डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुँच सकता।"

(ब) "करकराते हैं वह झूठ जो आदमी बोला, वह बेइमानियाँ जो उसने कीं, वह छोटे-बड़े अत्याचार जो उसने कभी इस कभी उस बहाने से अपने अन्त:करण के ऊपर किए। करकराती हैं वह लिप्साएँ जो पूरी नहीं हुईं। यहाँ तो वह सब कुछ भी नहीं। एक जिन्दगी मिली थी झीनी-झीनी बीनी एक चादर, जिसे कबीरदास ने जतन से ओढ़कर ज्यों की त्यों धर दिया था।"

(स) "सफलता और चरितार्थता में अंतर है। मनुष्य मरणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडंबर के साथ सफलता नाम दे रखा है। परन्तु मनुष्य की चरितार्थता प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए नि:शेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अंध सहजात वृत्ति का परिणाम है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस 'स्व' निर्धारित आत्म-बंधन का फल है जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाता है।"

**नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

**(2×7.5=15)**

1. संस्मरण और आत्मकथा की चारित्रिक विशेषताओं का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
2. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में वर्णित कीजिए।
3. निबन्ध के विभिन्न प्रकारों का विवरण दीजिए।
4. व्यंग्य विधा की तात्विक विवेचना कीजिए।

## खण्ड-ख

## (लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

**नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं । शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।**

**(4×5=20)**

1. यात्रा वृत्तान्त क्या है? उदाहरण द्वारा समझाइए।

2. रामगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'उत्साह' निबंध में शुक्ल जी ने जिन विचारों का निरूपण किया है, उनकी विवेचना कीजिए।

4. नारी के प्रति तुलसीदास जी की संवेदना का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

5. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' के विचार-पक्ष की विशेषताएं बताइए।

6. महादेवी वर्मा की पाठशाला का चित्रण कीजिए।

7. भारतभूषण अग्रवाल के साहित्यिक व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

8. भोलाराम के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

## खण्ड-ग

## ( वस्तुनिष्ठ प्रश्न )

**नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×1=10)**

**( क ) सत्य/ असत्य बताइए:**

1. 'स्कंदगुप्त' नाट्य विधा की रचना है। (सत्य/ असत्य)

2. रामगुप्त एक अयोग्य शासक था। (सत्य/ असत्य)

3. 'ध्रुवस्वामिनी' जयशंकर प्रसाद का एक उपन्यास है। (सत्य/ असत्य)

4. 'आखिरी चट्टान' यात्रावृत्त के लेखक मोहन राकेश हैं। (सत्य/ असत्य)

5. घीसा ने महादेवी वर्मा को गुरुदक्षिणा के रूप में तरबूज दिया। (सत्य/ असत्य)

**( ख ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:**

1. प्रेमचंद का जन्म ..... गाँव में हुआ था।
(काशी, लमही, मगहर)

2. निबंध के क्षेत्र में ..... का योगदान अमर है।
(प्रेमचंद, रामचन्द्र शुक्ल, मोहन राकेश)

3. 'मेरा बचपन' (क्या भूलूँ: क्या याद करूँ) .....की आत्मकथा है।
(अमृतराय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हरिवंशराय बच्चन)

4. हिंदी का पहला संस्मरण ..... द्वारा लिखित है।
(महादेवी वर्मा, बालमुकुंद गुप्त, रामवृक्ष बेनीपुरी)

5. आचार्य भरत मुनि का प्रमुख ग्रंथ ..... है।
(रंगमंच, नाट्यशास्त्र, नाट्यदर्पण)